

## उपसर्ग (Prefix)



अभियोग, अभिमान, अभिभावक

उपसर्ग उन शब्दांशों को कहते हैं, जो किसी शब्द के आरंभ में जुड़कर उनके अर्थ में विशेषता ला देते हैं।

जैसे- अनु : अनुचर, अनुज, अनुकरण, अनुनय, अनुरोध।

उपसर्गों को चार भागों में बाँटा जा सकता है-

क. संस्कृत के उपसर्ग

ख. हिंदी के उपसर्ग

ग. उर्दू के उपसर्ग

घ. उपसर्ग की तरह प्रयुक्त होने वाले संस्कृत के अव्यय

## संस्कृत के उपसर्ग

| उपसर्ग | अर्थ                | शब्द-रूप                       |
|--------|---------------------|--------------------------------|
| अप     | बुरा, हीन           | अपकार, अपमान, अपयश             |
| अनु    | पीछे, समान          | अनुरूप, अनुकरण, अनुज           |
| अधि    | ऊपर, प्रधानता       | अधिकार, अध्यक्ष, अधिपति        |
| अति    | अधिक, ऊपर           | अत्युत्तम, अत्यंत, अतिरिक्त    |
| आ      | तक से, लेकर, उलटा   | आजन्म, आगमन, आकाश              |
| अभि    | सामने, अधिक पास     | अभियोग, अभिमान, अभिभावक        |
| अव     | बुरा, नीचे          | अवनति, अवगुण, अवशेष            |
| उत्    | ऊपर, श्रेष्ठ        | उत्कंठा, उत्कर्ष, उत्पन्न      |
| उप     | निकट, गौण           | उपकार, उपदेश, उपचार, उपाध्यक्ष |
| दुस्   | बुरा                | दुश्चरित्र, दुस्साहस, दुर्गम   |
| दुर्   | बुरा, कठिन          | दुर्जन, दुर्दशा, दुर्गम        |
| परा    | पीछे, उलटा          | पराधीन, परामर्श, पराक्रम       |
| परि    | सब ओर               | परिपूर्ण, परिजन, परिवर्तन      |
| प्र    | आगे, अधिक, उत्कृष्ट | प्रयत्न, प्रबल, प्रसिद्ध       |
| नि     | अभाव, विशेष         | नियुक्त, निबंध, निमग्न         |
| निर्   | बिना                | निर्वाह, निर्मल, निर्जन        |
| निस्   | बिना                | निश्चल, निश्छल, निश्चित        |
| प्रति  | सामने, उलटा         | प्रतिकूल, प्रत्येक, प्रत्यक्ष  |
| वि     | हीनता, विशेष        | वियोग, विशेष, विधवा            |
| सम्    | पूर्ण, अच्छा        | संचय, संगति, संस्कार           |

## उपसर्ग की तरह प्रयुक्त होने वाले संस्कृत अव्यय

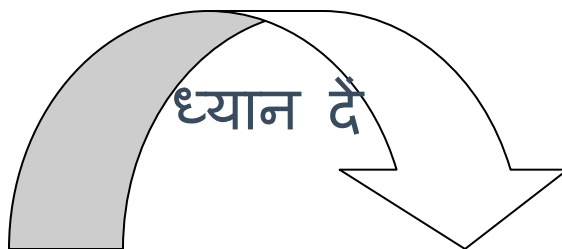
| उपसर्ग | अर्थ      | शब्द-रूप                              |
|--------|-----------|---------------------------------------|
| चिर    | बहुत देर  | चिरायु, चिरकाल, चिरंतन                |
| अंतर   | भीतर      | अंतरात्मा, अंतर्राष्ट्रीय, अंतर्जातीय |
| पुनः   | फिर       | पुनर्गमन, पुनर्जन्म, पुनर्मिलन        |
| स      | सहित      | सजल, सकल, सहर्ष                       |
| अधः    | नीचे      | अधःपतन, अधोगति, अधोमुख                |
| पुरा   | पुराना    | पुरातत्व, पुरातन                      |
| तिरस्  | बुरा, हीन | तिरस्कार, तिरोभाव                     |
| सत्    | श्रेष्ठ   | सत्कार, सज्जन, सत्कार्य               |
| अ      | निषेध     | अज्ञान, अभाव, अचेत                    |
| अन्    | निषेध     | अनागत, अनर्थ, अनादि                   |
| पुरस्  | आगे       | पुरस्कार, पुरस्कृत                    |

## हिंदी के उपसर्ग

| उपसर्ग | अर्थ         | शब्द-रूप                |
|--------|--------------|-------------------------|
| अन     | रहित         | अनपढ़, अनबन, अनजान      |
| अध     | आधा          | अधमरा, अधखिला, अधपका    |
| अ      | अभाव, निषेध  | अजर, अछूत, अकाल         |
| औ      | रहित         | औगुन, औतार, औघट         |
| उन     | कम           | उनतीस, उनचास, उनसठ      |
| चौ     | चार          | चौराहा, चौपाया, चौकोर   |
| पर     | दूसरा, बादका | परोपकार, परपुरुष, परलोक |
| भर     | पूरा         | भरपूर, भरपेट, भरसक      |
| कु     | बुराई        | कुसंग, कुकर्म, कुमति    |
| नि     | अभाव         | निडर, निहत्था, निकम्मा  |

## उर्दू के उपसर्ग

| उपसर्ग | अर्थ           | शब्द-रूप                    |
|--------|----------------|-----------------------------|
| बे     | बिना           | बेईमान, बेचारा, बेअक्ल      |
| ला     | रहित           | लापरवाह, लाचार, लावारिस     |
| सर     | मुख्य          | सरकार, सरदार, सरपंच         |
| हम     | साथ            | हमदर्दी, हमराज, हमदम        |
| कम     | थोड़ा          | कमबख्त, कमजोर, कमसिन        |
| खुश    | प्रसन्न, अच्छा | खुशबू, खुशदिल, खुशमिजाज     |
| गैर    | निषेध          | गैरहाजिर, गैरकानूनी, गैरकौम |
| दर     | में            | दरअसल, दरकार, दरमियान       |
| ना     | निषेध          | नालायक, नापसंद, नामुमकिन    |
| बा     | अनुसार         | बाकायदा, बाकायदा, बाइज्जत   |
| बद     | बुरा           | बदनाम, बदमाश, बदचलन         |
| हर     | प्रति          | हरदिन, हर, हरसाल            |



- ❖ शब्द के प्रारंभ में जुड़कर उनके अर्थ में विशेषता लाने वाले शब्दांश उपसर्ग कहलाते हैं।
- ❖ उपसर्गों का स्वतंत्र प्रयोग नहीं होता।
- ❖ हिन्दी भाषा में चार प्रकार के उपसर्ग हैं।
- ❖ उपसर्ग शब्दांश होते हैं, शब्द नहीं।

## प्रत्यय (Suffix)



लिखनेवाला



पढ़नेवाला



फलवाला

प्रत्यय उन शब्दांशों को कहते हैं, जो किसी शब्द के अंत में लगकर उनके अर्थ को बदल देते हैं।

जैसे - **वाला** - पढ़ने**वाला**, लिखने**वाला**, फल**वाला**,

## प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं-



- क. कर्तृवाचक कृदंत
- ख. कर्मवाचक कृदंत
- ग. करणवाचक कृदंत
- घ. भाववाचक कृदंत
- ङ. क्रियावाचक कृदंत

- क. कर्तृवाचक तद्धित
- ख. भाववाचक तद्धित
- ग. संबंधवाचक तद्धित
- घ. ऊनता /लघुता वाचक तद्धित
- ङ. गणनावाचक तद्धित
- च. सादृश्यवाचक तद्धित
- छ. गुणवाचक तद्धित
- ज. स्थानवाचक तद्धित

### कृत प्रत्यय

जो प्रत्यय क्रिया के धातु रूप के अंत में लगते हैं वे कृत प्रत्यय कहलाते हैं। कृत प्रत्यय के योग से बने शब्दों को कृदंत कहते हैं।

जैसे - लिख + आवट = लिखावट, सूख + आ = सूखा आदि।

## कृत प्रत्यय के भेद

**क. कर्तृवाचक कृदंत** - जिस कर्तृ प्रत्यय से कार्य करने वाले अर्थात् कर्ता का बोध हो, वह कर्तृवाचक कृदंत कहलाता है। जैसे-

| प्रत्यय | शब्द-रूप                    |
|---------|-----------------------------|
| आऊ      | बिकाऊ, टिकाऊ, चलाऊ          |
| अक      | धावक, सहायक, पालक           |
| आलू     | आलु, झगड़ालू, दयालु, कृपालु |
| रा      | लुटेरा, सपेरा               |
| ऐया     | गवैया, रखैया, लुटैया        |
| आड़ी    | अनाड़ी, खिलाड़ी, अगाड़ी     |
| इया     | बढ़िया, घटिया               |
| आक      | तैराक                       |
| आकू     | पढ़ाकू, लड़ाकू              |
| एरा     | लुटेरा                      |
| सार     | मिलनसार                     |
| हार     | पालनहार, मारनहार            |
| वाला    | चलनेवाला, लिखनेवाला         |

**ख. कर्मवाचक कृदंत** - वे शब्द जो प्रत्यय से बनकर किसी कर्म का ज्ञान कराते हैं, वे कर्मवाचक कृदंत कहलाते हैं। जैसे

| प्रत्यय | शब्द-रूप        |
|---------|-----------------|
| ना      | सूँघना, गाना    |
| नी      | ओढ़नी, सुंघनी   |
| औना     | खिलौना, घिनौना  |
| आवना    | डरावना, लुभावना |

**ग. करणवाचक कृदंत-** वे शब्द जो प्रत्यय से बनकर क्रिया के कारण (साधन) का ज्ञान कराते हैं,उसे करण कृत प्रत्यय कहते हैं। जैसे

| प्रत्यय | शब्द-रूप              |
|---------|-----------------------|
| नी      | धौंकनी करतनी, सुमिरनी |
| ऊ       | झाड़ू                 |
| ई       | रेती, फाँसी, भारी     |
| आ       | भटका, भूला, झूला      |
| अन      | बेलन, बंधन            |
| आनी     | मथानी, कहानी          |

**घ. भाववाचक कृदंत -** जिन प्रत्ययों से निर्मित शब्दों से भाव अथवा क्रिया के व्यापार का बोध होता है, उन्हें भाववाचक कृदंत कहते हैं जैसे आई, आन, आवा, आवट, आहट आदि।

| प्रत्यय | शब्द-रूप              |
|---------|-----------------------|
| आवा     | भुलावा, छलावा, दिखावा |
| अन      | चलन, मनन, मिलन        |
| आई      | कमाई, चढ़ाई, लड़ाई    |
| आवट     | सजावट, बनावट, रुकावट  |
| आहट     | घबराहट, चिल्लाहट      |

**ड. क्रियावाचक कृदंत -** वे शब्द जो क्रिया के होने के भाव को प्रकट करते हैं, उन्हें क्रियावाचक कृदंत कहते हैं। जैसे -

| प्रत्यय     | शब्द-रूप         |
|-------------|------------------|
| आ           | सूखा, भूला, बैठा |
| ना          | दौड़ना, सोना     |
| हुआ आता हुआ | पढ़ता हुआ        |
| कर          | जाकर, देखकर      |

## तद्धित प्रत्यय

जो प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम अथवा विशेषण के अंत में लगकर नए शब्दों की रचना कराते हैं, उन्हें तद्धित प्रत्यय कहते हैं।

जैसे - पंजाब + ई = पंजाबी, सज + ईला = सजीला

## तद्धित प्रत्यय के भेद

**क. कर्तृवाचक तद्धित** -जिससे किसी कार्य के कर्ता का बोध हो। जैसे -

| प्रत्यय | शब्द-रूप                  |
|---------|---------------------------|
| कार     | पत्रकार, कलाकार, चित्रकार |
| आ       | मछुआ, गेरुआ, ठलुआ         |
| हारा    | लकड़हारा, पनिहारा, मनिहार |
| गर      | कारीगर, बाजीगर, जादूगर    |
| इया     | सुखिया, रसोइया, आढ़तिया   |
| एरा     | सपेरा, ठठेरा, चितेरा      |
| आर      | चमार, सुनार               |
| ई       | धोबी, तेली                |
| उआ      | मछुआ, ठलुआ                |
| वाला    | टोपीवाला, गाड़ीवाला       |
| हर      | मनिहार                    |

**ख. भाववाचक तद्धित** जिन प्रत्ययों के योग से बने शब्द कर्ता के भाव का बोध कराते हैं, उन्हें भाववाचक तद्धित कहते हैं ।

| प्रत्यय | शब्द-रूप               |
|---------|------------------------|
| ई       | गरमी, सरदी, गरीबी      |
| इमा     | लालिमा, महिमा, अरुणिमा |
| आई      | भलाई, बुराई, ढिठाई     |
| आ       | बुलावा, सर्राफा        |

|     |                     |
|-----|---------------------|
| पा  | बुढ़ापा, मोटापा     |
| पन  | बचपन, लड़कपन, बालपन |
| आपा | मोटापा, बुढ़ापा     |
| आयत | बहुतायत             |
| त्व | लघुत्व, गुरुत्व     |
| आस  | मिठास, खटास         |

**ग. सम्बन्ध तद्धित** - जिन प्रत्ययों के योग से बने शब्द संबंध का बोध करते हैं, उन्हें संबंध वाचक कहते हैं। जैसे -

| प्रत्यय | शब्द-रूप                   |
|---------|----------------------------|
| इक      | नैतिक, धार्मिक, आर्थिक     |
| एरा     | ममेरा, चचेरा, फुफेरा       |
| ई       | पंजाबी, गुजराती, लुधियानवी |
| आल      | ससुराल                     |
| हाल     | ननिहाल                     |
| जा      | भतीजा, भांजा               |
| अ       | पांडव, कौरव, यादव, मानव    |
| इ       | दशरथि (दशरथ से संबंधित)    |

**घ. ऊनता /लघुता वाचक तद्धित** - जिन प्रत्ययों से बने शब्द लघुता (छोटा होने का भाव) का बोध करते हैं , उन्हें लघुता वाचक तद्धित कहते हैं।

| प्रत्यय  | शब्द-रूप              |
|----------|-----------------------|
| ई        | पहाड़ी, टोकनी, ढोलकी  |
| री       | कोठरी, छतरी, बाँसुरी  |
| इया      | लुटिया, डिबिया, खटिया |
| टी, टा   | लँगोटी, कछौटी, कलूटा  |
| ड़ी, ड़ा | पगड़ी, टुकड़ी, बछड़ा  |

**इ. गणनावाचक तद्धति** - जिन प्रत्यय के योग से बने शब्द संख्या के क्रम का बोध कराते हैं, उन्हें गणनावाचक तद्धति कहते हैं।

| प्रत्यय | शब्द-रूप                  |
|---------|---------------------------|
| रा      | दूसरा, तीसरा              |
| ला      | पहला                      |
| हरा     | इकहरा, दुहरा, तिहरा       |
| था      | चौथा                      |
| वाँ     | पाँचवा, सातवाँ, ग्यारहवाँ |

**च. सादृश्यवाचक तद्धति** - जो प्रत्यय समानता का ज्ञान कराते हैं। जैसे -

| प्रत्यय | शब्द-रूप                  |
|---------|---------------------------|
| हरा     | सुनहरा, रुपहरा            |
| सा      | पीला-सा, नीला-सा, काला-सा |
| सी      | अच्छी-सी, सुंदर-सी        |

**छ. गुणवाचक तद्धति** - जिस प्रत्यय से किसी गुण का बोध हो। जैसे-

| प्रत्यय | शब्द-रूप                 |
|---------|--------------------------|
| ईला     | रंगीला, सजीला            |
| ई       | धनी, लोभी, क्रोधी        |
| आ       | भूखा, प्यासा, ठंडा, मीठा |
| वान     | गुणवान, रूपवान           |

**ज. स्थानवाचक तद्धति** - जिस प्रत्यय से स्थान का बोध हो। जैसे-

| प्रत्यय | शब्द-रूप                |
|---------|-------------------------|
| वाला    | दिल्लीवाला              |
| ई       | पंजाबी, बंगाली, गुजराती |
| इया     | कलकतिया, जबलपुरिया      |

## कृत प्रत्यय और तद्धित प्रत्यय में अंतर

| कृत प्रत्यय                                                                                                                       | तद्धित प्रत्यय                                                                                                      |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| जो प्रत्यय क्रिया के धातु रूप के अंत में लगते हैं, वे कृत प्रत्यय कहलाते हैं। कृत प्रत्यय के योग से बने शब्दों को कृदंत कहते हैं। | जो प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम अथवा विशेषण के अंत में लगकर नए शब्दों की रचना कराते हैं, उन्हें तद्धित प्रत्यय कहते हैं। |
| उदाहरण - लिख + आवट = लिखावट,<br>सूख + आ = सूखा आदि।                                                                               | उदाहरण - पंजाब + ई = पंजाबी,<br>सज + ईला = सजीला                                                                    |

